

১৬০৫/৯৪



॥ ११६ ॥ १५ ॥

६३

ताते दल न ह्या गा पल न ह्य

३४

नाम न संत मता नीर पमाना

यो पाद म्प र उ च र्छि मे रानि

माम्प र मे रानि उ च र्छि मे रानि

(A-1)

एत मु गाम्प र उ च र्छि मे रानि

६३३३

राम

यत्त र्छि मे रानि उ च र्छि मे रानि

(A-2)

उ च र्छि मे रानि उ च र्छि मे रानि

६३३३ नम र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि उ च र्छि मे रानि

नम र्छि मे रानि उ च र्छि मे रानि

उ च र्छि मे रानि उ च र्छि मे रानि

उ च र्छि मे रानि उ च र्छि मे रानि

गम र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

६३३३ उ च र्छि मे रानि

६३३३ उ च र्छि मे रानि

६३३३

(A-3)

६३३३ उ च र्छि मे रानि

नम र्छि मे रानि उ च र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

६३३३ उ च र्छि मे रानि

६३३३

३५६ उ च र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

३५६

(A-4)

३५६

३५६ उ च र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

३५६ उ च र्छि मे रानि

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

दुखी मनी मतल

मन्त्रोपनिषत्

उद्योगवलादि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

१. दुधपाना

१०५

२७५

१ हरेण्मनात्

पानिमीय

३ रीमन लेखिका

१-१३२२२२२२

३ उद्योगिका

१-१५५५



पञ्चगव्यस्य

उगाथादाय

2004

२ अक्षरान्तर

一

१ वक्रगदी/इतप

रामनाथस्वामि

जाने

१६ श्रीगणेशाय नमः

नद्वयविमल

पु. वा. म. म. म. म. म.

मौन्यमिदम

६५



२-इन्द्रजम्बा

हृत्सयगपद्मि

天

७. त्रयम् ।

१६६६- ताकालिनिमिषमनाम

गणतन्त्रेयमनामिषमनाम

येषामनामनामनाम

१७॥ मन्त्रगणनामनाम

स्तादृष्टनाम

१८ मन्त्रगणनाम

१९ मन्त्रगणनाम

नाम

२० मन्त्रगणनाम

उनामनाम

२१ मन्त्रगणनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

२२ मन्त्रगणनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

२३ मन्त्रगणनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

२४ मन्त्रगणनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

२५ मन्त्रगणनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

स्तादृष्टनाम

(A-12)

(A-13)

(A-14)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 उक्तं गीता मध्ये
 उक्तं गीता मध्ये
 धीमहि इति
 १६३ उक्तं गीता मध्ये
 गीता मध्ये
 उक्तं गीता मध्ये
 उक्तं गीता मध्ये
 उक्तं गीता मध्ये
 १६३

[illegible]

कृष्णः
देवता विग्रहादिना
द्वन्द्वीयमन्त्रादीनां
मातृपुत्रोत्पत्त्यादि

एमे गुरु यमात्मना
 जगत्पद्ममेव
 यमपुष्टमेव यमपु
 द्मपुष्टमेव यमपु
 विव्यापुष्टमेव यमपु
 यमपुष्टमेव यमपु
 यमपुष्टमेव यमपु
 यमपुष्टमेव यमपु

(A-21)

४७ कृतप्रदीपिका
पानादयेचिका
गणकदोषिका
गणनप्रदीपिका
मरिचकेयिका
मरिचकेयिका
मरिचकेयिका
मरिचकेयिका
मरिचकेयिका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

ਦੀਪਕ ਸਿੰਘ
ਭੁਪਤੀ
੧੯੯੯

[illegible]

(A-23)

१२ ~~मन्त्र~~
~~मन्त्र~~
~~मन्त्र~~
 (मन्त्र)
~~मन्त्र~~
 १३ ~~मन्त्र~~
~~मन्त्र~~
~~मन्त्र~~

29

३॥ गुरुजितनर
जितनर
हृदयजितनर
तम उपाना
सुखयेने
सगुण
विषय
सगुण
जितनर
जितनर
१॥ श्रीगुरु
२ श्रीगुरु
कम

2043

[illegible]

३७
 उभोतु गीत ॥ १ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger entry.

(A-27)

॥ ५८३ ॥

६३४ =
अधोचरितोक्ति
अतएवमेव

(A-28)

22

६७६-
 १९१-
 (A-29)
 २
 १
 १
 १

(A-30)

७५ = कुलमय

प्राचीन

३ राजमहा

राजमहा

यममहा

७५ = कुलमय

महा

महा

७५ =

२. हिमालय

नमः

उत्तम

द्वारा

जगत्

१० - यम

जगत्

७५ =

नमः

उत्तम

द्वारा

जगत्

नमः

७५ =

२. यम

उत्तम

द्वारा

जगत्

नमः

उत्तम

द्वारा

जगत्

(A-31)

(A-32)

(A-33)

याज्ञिकान्तरात्
गतिरित्येवमस्ति
द्वयमप्युक्तम्
उभयत्रापि यथा
योगात्पुनराह
नां गतिरिति

(A-34)

१६ याज्ञिकान्तरात्
यत्किञ्चिदस्ति
नमोऽस्मिन्
इति चेत्तत्र
तथा चेत्तत्र
द्वयमप्युक्तम्
१७ याज्ञिकान्तरात्

(A-35)

यत्किञ्चिदस्ति
तथा चेत्तत्र
द्वयमप्युक्तम्
इति चेत्तत्र
तथा चेत्तत्र
द्वयमप्युक्तम्

१८ याज्ञिकान्तरात्
यत्किञ्चिदस्ति
तथा चेत्तत्र
द्वयमप्युक्तम्
१९ याज्ञिकान्तरात्
यत्किञ्चिदस्ति
तथा चेत्तत्र
द्वयमप्युक्तम्
२० याज्ञिकान्तरात्
यत्किञ्चिदस्ति
तथा चेत्तत्र
द्वयमप्युक्तम्

(A-36)

२१ याज्ञिकान्तरात्
यत्किञ्चिदस्ति
तथा चेत्तत्र
द्वयमप्युक्तम्

उद्धृतापार
वासि
८ जेवराज
जिगरीमरी
नगरीमरी

उद्धृतापार
वसराज
जुमराज
वासिमरी

२ जेवराज
जुमराज
उद्धृतापार
जुमराज
जेवराज

जुमराज
जुमराज
१४ जेवराज
जुमराज
जुमराज
जुमराज
जुमराज

जुमराज
जुमराज
जुमराज
जुमराज
जुमराज

जुमराज
जुमराज
जुमराज
जुमराज
जुमराज
जुमराज
जुमराज

जुमराज

(A-37)

(A-38)

(A-39)

(A-40)

जुमराज

३३७।- कर्मसुख

२७ सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

(A-41)

१२२ सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan

(A-42)

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

सुखदुःखनिर्गमन

(A-43)

सुखदुःखनिर्गमन

(A-44)

(A-45)

(A-46)

(A-47)

(A-48)

(B)

७७ ७७७७

१२॥॥- वनमिठे वनपदिम
 गंगुद्वारपे जगजिग
 हलवनमिठे वनपदिम
 तदापे वनपदिम
 १॥ वनमिठे वनपदिम
 १ वनमिठे वनपदिम
 १ वनमिठे वनपदिम
 ६ वनमिठे वनपदिम
 १ वनमिठे वनपदिम
 १ वनमिठे वनपदिम
 १ वनमिठे वनपदिम
 ६ वनमिठे वनपदिम
 ६ वनमिठे वनपदिम
 ६ वनमिठे वनपदिम
 १ वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम

(B-1)

(B-2)

१५॥॥- वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 २॥- वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम

(B-3)

५५॥॥

वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम
 वनमिठे वनपदिम

(B-4)

प्राज्ञगताः प्रज्ञाः
गन्तव्यं निश्चयं
प्राज्ञगताः प्रज्ञाः
गन्तव्यं निश्चयं
प्राज्ञगताः प्रज्ञाः
गन्तव्यं निश्चयं
प्राज्ञगताः प्रज्ञाः
गन्तव्यं निश्चयं
प्राज्ञगताः प्रज्ञाः
गन्तव्यं निश्चयं

(B-5)

३३७३५

१मा. १। सुप्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
प्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
प्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
प्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
प्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
प्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं

(B-6)

नरनामा चारो वरपुत्रो
जिह्वारो वरपुत्रो

२२ सुप्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
२२ सुप्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
सुप्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
सुप्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
सुप्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं
सुप्रसन्नं प्रसन्नं प्रसन्नं

(B-7)

हरनामा

(B-8)

हरनामा हरनामा हरनामा
१८ हरनामा हरनामा
हरनामा हरनामा हरनामा
२२ हरनामा हरनामा
हरनामा हरनामा हरनामा
हरनामा हरनामा हरनामा

(B-9)



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com